

### 1. इफ़्फ़न टोपी शुक्ला की कहानी का महत्त्वपूर्ण हिस्सा किस तरह है?

उत्तर:

इफ़्फ़न और टोपी दोनों गहरे दोस्त थे, एक-दूसरे के बिना अधूरे थे। इफ़्फ़न अपनी भावनाएँ दादी या टोपी से साझा कर लेता था, जबकि टोपी के पास उसकी माँ और इफ़्फ़न की दादी के अलावा कोई नहीं था। दादी और टोपी के बीच भी आत्मीयता थी। इफ़्फ़न की मौजूदगी टोपी की कहानी का अटूट हिस्सा है, क्योंकि दोनों की दोस्ती, भावनात्मक जटिलता और आपसी समझ ही कहानी की आत्मा है।

### 2. इफ़्फ़न की दादी अपने पीहर क्यों जाना चाहती थीं?

उत्तर:

दादी मौलवी की नहीं, ज़मींदार की बेटी थीं। गाँव में दूध-घी-दही खाने का सुख था, लखनऊ में मौलविन बनकर रहना पड़ा। इसलिए वो पीहर—गाँव—की सादगी और सुख को तरसती थीं और वहाँ जाना चाहती थीं।

### 3. दादी अपने बेटे की शादी में गाने-बजाने की इच्छा पूरी क्यों नहीं कर पाई?

उत्तर:

मौलवी परिवार में संगीत व गाना-बजाना उचित नहीं समझा जाता था, इसलिए दादी की यह इच्छा कभी पूरी नहीं हो पाई—उन्हें दिल मसोसकर रहना पड़ा।

### 4. "अम्मी" शब्द पर टोपी के घरवालों की क्या प्रतिक्रिया हुई?

उत्तर:

टोपी हिंदू था, "अम्मी" उर्दू (मुस्लिम) का शब्द था। इसे सुनते ही घर में परंपराओं की दीवारें हिल गईं—माँ ने डाँटा, दादी गरजी, टोपी की पिटाई हुई, सब हैरान थे।

### 5. दस अक्टूबर 1945 टोपी के जीवन में क्यों महत्त्वपूर्ण है?

उत्तर:

इस दिन इफ़्फ़न के पिता का तबादला हुआ और वे चले गए। इफ़्फ़न की दादी पहले ही गुजर चुकी थीं। दोनों के चले जाने से टोपी अकेला व दुखी हो गया, उसने तय किया कोई ऐसा दोस्त नहीं बनाएगा जिसकी बदली हो जाती है। इसलिए यह दिन उसके जीवन में दुखद और स्मरणीय रहा।

#### 6. टोपी ने इफ़्फ़न से दादी बदलने की बात क्यों कही?

उत्तर:

इफ़्फ़न की दादी टोपी को बहुत प्यार करती थीं, टोपी को उनकी धैर्यभरी, मधुर भाषा पसंद थी। उसकी माँ भी मीठा बोलती थी लेकिन उसकी दादी बोलने नहीं देती थी। इफ़्फ़न की माँ की बोली दादी को पसंद नहीं थी। इसलिए दादी और माँ को बदल देने की बात टोपी ने कही।

#### 7. पूरे घर में इफ़्फ़न को अपनी दादी से विशेष स्नेह क्यों था?

उत्तर:

दादी इफ़्फ़न को सबसे ज्यादा प्यार करती थीं, उसकी सारी इच्छाएँ समझती थीं। अभिभावक डाँटते थे, बहनें तंग करती थीं, लेकिन दादी उसे कहानियाँ सुनातीं—खाना देतीं और उसके दुख-दर्द साझा करतीं। इसलिए इफ़्फ़न को दादी से विशेष स्नेह था।

#### 8. इफ़्फ़न की दादी के देहांत के बाद टोपी को उसका घर खाली सा क्यों लगा?

उत्तर:

दादी सिर्फ इफ़्फ़न ही नहीं, टोपी को भी बहुत स्नेह देती थीं—कहानी सुनाती, हाल-चाल पूछती, अपनत्व देती। उनके जाने के बाद टोपी को घर से अपनत्व व छत्रछाया ही समाप्त लगने लगी—घर सूना व खाली सा लगने लगा।

#### 9. टोपी और इफ़्फ़न की दादी अलग-अलग मजहब/जाति के थे, फिर भी अटूट रिश्ते से बँधे थे—व्याख्या:

उत्तर:

टोपी हिंदू था, इफ़्फ़न व उनकी दादी मुस्लिम थे, फिर भी टोपी उनके यहाँ जाता, दादी से स्नेह व अपनत्व पाता। दादी उसके व्यवहार, जरूरतें समझतीं, उससे मीठे शब्दों में बोलतीं। उनका रिश्ता सिर्फ मजहबी नहीं, बल्कि इंसानियत और भावना के स्तर पर था।

#### 10. टोपी नवीं कक्षा में दो बार फेल हो गया—कारण, भावनात्मक चुनौतियाँ, शिक्षा-व्यवस्था में बदलाव:

(क) टोपी बहुत बुद्धिमान था, पहली बार घर वाले उसे काम में लगा देते, दूसरी बार बुखार

के कारण वह पेपर नहीं दे पाया—इसलिए फेल हुआ।  
(ख) बार-बार फेल होने से नए बच्चों के साथ बैठना पड़ा, अध्यापक मज़ाक बनाते, कोई दोस्त नहीं बन पाया—भावनात्मक रूप से वह आहत हुआ।  
(ग) शिक्षा व्यवस्था में सिर्फ पुस्तकीय ज्ञान नहीं, बच्चे की व्यक्तिगत, भावनात्मक व अनुभवजन्य योग्यता को भी मान्यता मिले ताकि उसके मानसिक संतुलन व आत्मविश्वास को ठेस न पहुंचे।

#### 11. इफ़्फ़न की दादी के मायके का घर कस्टोडियन में क्यों चला गया?

उत्तर:

उनके पीहर के लोग पाकिस्तान चले गए, क्योंकि घर की देखभाल करने वाला भारत में कोई नहीं था—वह घर सरकारी कब्जे (कस्टोडियन) में चला गया।



MATRIX  
STUDIES